ALUMNI MEET 2019

Souvenir

C.S.J.M. UNIVERSITY ALUMNI ASSOCIATION
KANPUR

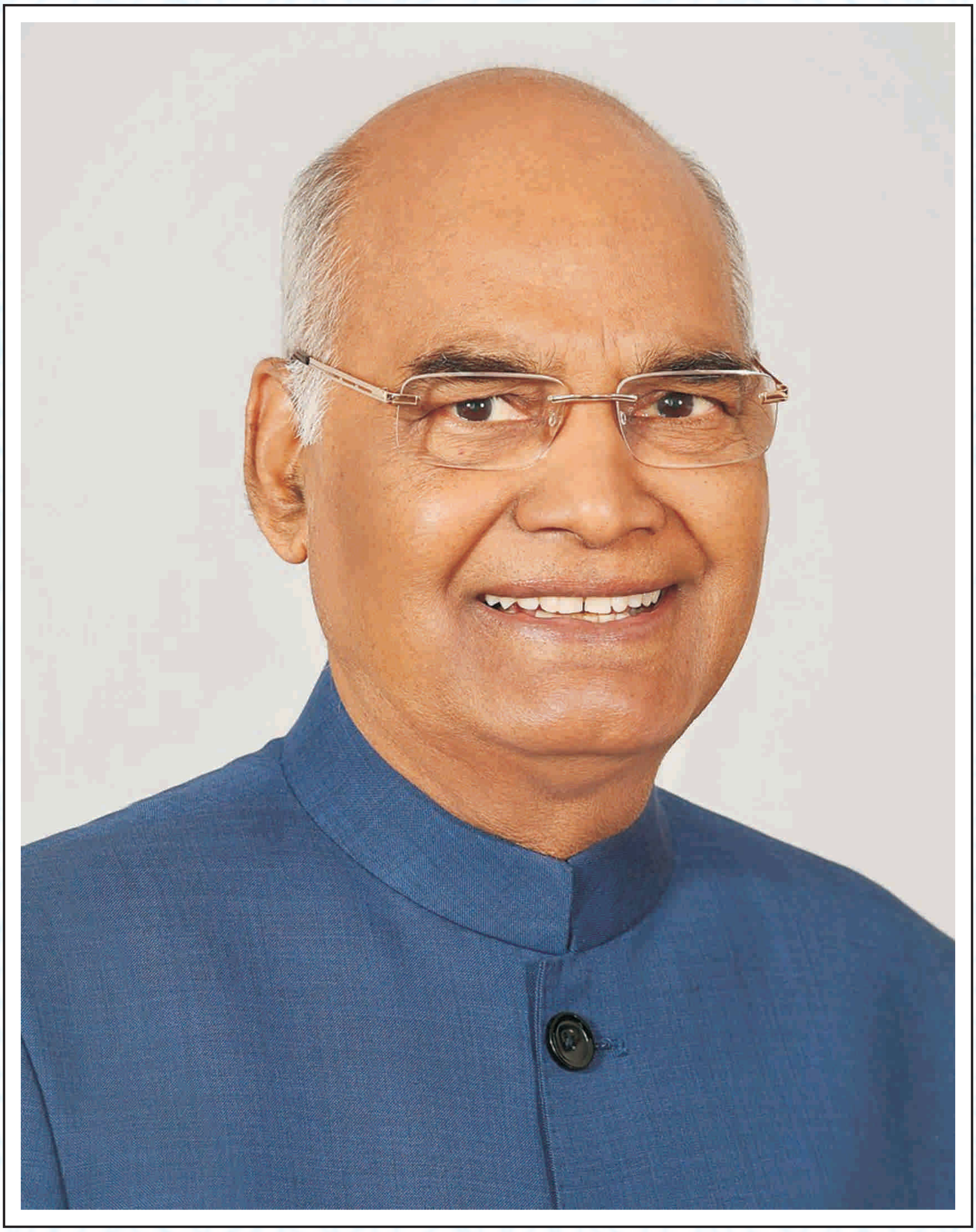

Shri Ram Nath Kovind
Hon'ble President

सम्पादक मण्डल

संरक्षक

प्रो. नीलिमा गुप्ता

अध्यक्ष, सी.एस.जे.एम. एल्युमनाई एसोसिएशन

कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

प्रधान सम्पादक

डॉ. श्याम बाबू गुप्त

सम्पादक

प्रो. आर. सी. कटियार

डॉ. अन्शू यादव

डॉ. सुदेश श्रीवास्तव

डॉ. सिधान्शु राय

डॉ. राकेश शुक्ला

श्री हरिभाऊ खाण्डेकर

श्री सुरेश गुप्त 'राजहंस'

डॉ. कामायनी शर्मा

सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

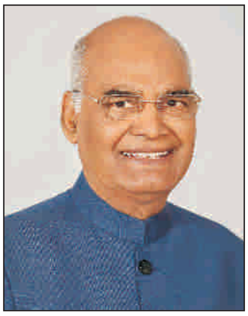

सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा पूर्व छात्र संगठन (अलमनाई एसोसिएशन) का पहला सम्मेलन दिनांक 30 नवम्बर, 2019 को आयोजित किया जा रहा है।

मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उत्साह के साथ इस सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन, उन्हें अपने विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाने वाली परियोजनाओं पर चर्चा करने तथा वर्तमान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करने का अवसर प्रदान करेगा।

मैं, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा आयोजित इस सम्मेलन से जुड़े सभी पूर्व छात्रों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ और स्मारिका की सफलता व लोकप्रियता की कामना करता हूँ।

(राम नाथ कोविन्द)

नई दिल्ली
22 नवम्बर, 2019

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ– 226 027

9 अगस्त, 2019

सन्देश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा 30 नवम्बर 2019 को आयोजित पूर्व–छात्र सम्मेलन के अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पुरा छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपने कृतित्व से देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। मुझे आशा है कि यहां के पूर्व छात्र देश एवं प्रदेश के सर्वांगीण विकास में इसी प्रकार अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स - 0522-2239488 ईमेल - hgovup@nic.in **वेबसाइट** - upgovernor.gov.in

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

संख्या- /66/पी एस-सी एम/2019

लोक भवन,
लखनऊ - 226001

दिनांक : 22 NOV 2019

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा दिनांक 30 नवम्बर, 2019 को पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जायेगी।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का विशिष्ट स्थान है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। मुझे विश्वास है कि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने हेतु यह संस्थान सतत प्रयासरत रहेगा।

सम्मेलन की सफलता एवं स्मारिका के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2236181 / 2239296 फैक्स - 0522-2239234 ईमेल - cmup@nic.in

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर – 208 024

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur - 208 024

प्रो० (श्रीमती) नीलिमा गुप्ता
कुलपति
Prof. (Mrs.) Neelima Gupta
Vice Chancellor

कार्या./Off. : +91-512-2581280
फैक्स/Fax : +91-512-2585280
ई-मेल/e-mail : vcocsjmu@gmail.com
वेब/Web : www.kanpuruniversity.org

शुभ सन्देश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है, कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने अपने अनूठे प्रयास से पूर्व छात्रों का संगठन (एल्युमनाई एसोसिएशन) स्थापित कर लिया है, जिसमें कानपुर विश्वविद्यालय से पढ़ने वाले विख्यात राजनीतिज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी, कुलपति, चिकित्सक, उद्यमी, विधिवेत्ता, शिक्षक एवं समाजसेवी इत्यादि सम्मिलित हैं, जिनका उद्देश्य अपने विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाना, विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना एवं उनके सपनों को ऊँची उड़ान दिलाना है।

पूर्व छात्र–छात्राओं के साथ ही शिक्षण संस्थान के लिए यह बड़े ही गर्व का क्षण होता है जहाँ पर देश के भविष्य के रुप में युवाशक्ति को शिक्षा ग्रहण करने, भविष्य को संवारने के साथ उनके सर्वांगीण विकास का अवसर प्राप्त होता है। लगनशीलता, एकाग्रता एवं कठिन परिश्रम के बाद जब कोई छात्र–छात्रा अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लब्धप्रतिष्ठित होता है तो उसके साथ–ही–साथ पूर्व की शिक्षण संस्थाएँ एवं गुरुजन गौरवान्वित होते हैं।

इन्हीं भावों से प्रेरित होकर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का पूर्व छात्र–संघ आगामी 30 नवम्बर, 2019 को विश्वविद्यालय परिसर में अपने पूर्व छात्रों का सम्मेलन आयोजित कर रहा है, जिसका उद्घाटन इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र माननीय श्री रामनाथ कोविन्द जी, महामहिम राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के मुख्य–अतिथ्य में लगभग 1000 एल्युमनाई की भागीदारी में किया जायेगा, यह हमारे लिए अत्यन्त ही गर्व का क्षण हैं।

मैं समस्त पूर्व छात्र–छात्रा प्रतिभागियों के साथ अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ एवं बधाई देती हूँ कि वे अपना स्थान विश्व पटल पर अग्रिम पंक्तियों में बनाये रखने में सफलता प्राप्त करें।

धन्यवाद

(प्रो. नीलिमा गुप्ता)
कुलपति

सम्पादकीय

डॉ. श्याम बाबू गुप्त
प्रधान सम्पादक

हिन्दी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार अज्ञेय जी ने एक महत्वपूर्ण बात कही थी कि, ''कोई भी शिक्षा-संस्थान एक स्वायत्त और सम्पूर्ण जगत होता है। दीक्षान्त होते ही स्नातक उससे बाहर एक दूसरे जगत की चुनौतियों का सामना करते हैं।''

यहाँ प्रश्न उठता है कि क्या किसी शिक्षा-संस्थान से दीक्षित होते ही कोई विद्यार्थी परिवार, समाज या देश की समस्याओं/चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्णत: तैयार होता है? इसका उत्तर होगा-नहीं। बल्कि वह समाज की यथार्थ समस्याओं से ही जूझते-टकराते, और अधिक व्यवहारिक ज्ञान अर्जित कर इस योग्य बन पाता है। इसीलिए किसी भी उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान में देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च्तम योगदान करने वाले महानुभावों के व्याख्यान कराये जाते हैं, ताकि विद्यार्थी उनके अनुभवों से लाभान्वित हो सकें। राष्ट्रीय अन्तरराष्ट्रीय, संगोष्ठी, कार्यशाला या अन्यान्य कार्यकलाप भी इस हेतु सहायक हैं।

उपर्युक्त विचार की प्रासंगिकता या सार्थकता तब और बढ़ जाती है जब किसी भी शिक्षा-संस्थान में पूर्व छात्र संगठन का गठन हुआ हो। पूर्व छात्र सम्मेलनों में जहाँ हम अपने अतीत को स्वर्णिम स्मृतियों को सँजो पाते हैं, वहीं पीढ़ी को अपने अनुभवों से प्रबोधित भी कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति में शिक्षालय मात्र ईंट और गारे निर्मित भवन नहीं हैं, वरन् वे मनुष्य-निर्माण के केन्द्र होते हैं अत: उनके प्रति हमारा लगाव माँ और पिता जैसा होता है, वे हमारे निर्माता होते हैं। अत: अपने शिक्षा-मंदिरों के प्रति आजीवन हमारा दायित्व बनता है कि हम उनके लिए कुछ न कुछ करते रहें।

सौभाग्य का विषय है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों का एक संगठन बनाया गया है। यह विश्वविद्यालय एक दर्जन से अधिक जनपदों में लगभग एक हजार महाविद्यालयों तक विस्तृत है। स्वाभाविक है कि अपनी स्थापना से अब तक इस विश्वविद्यालय ने देश और दुनिया को लाखों प्रतिभाएँ दी हैं जिनमें से अनेक ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, व्यवसाय, कला एवं संस्कृति आदि के क्षेत्र में शीर्ष पर हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी बाजपेयी और वर्तमान राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविंद जी का नाम हम गर्व के साथ ले सकते हैं, जो इसी विश्वविद्यालयके पूर्व छात्र हैं।

प्रसन्नता का विषय है कि पूर्व छात्र संगठन के नियामकों द्वारा एक भव्य सम्मेलन का निर्णय लिया गया है। उक्त अवसर पर एक स्मारिका, संस्मृति' के प्रकाशन का निर्णय भी लिया गया है। यह 'संस्मृति' जहाँ एक ओर हमारी स्मृतियों की साक्षी बन रही है वही दूसरी और पूर्व छात्रों की रचनात्मकता या सृजनात्मकता का वाहक भी। ये पूर्व छात्र

एक साहित्यकार या रचनाकार के रुप में प्रतिष्ठित नहीं हैं। वे अन्यान्य क्षेत्रों में शीर्ष पर हैं, अत: उनकी रचनाओं में एक प्रकार का कच्चापन स्वाभाविक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उनकी मौलिक अभिव्यक्ति है। कुछ महत्वपूर्ण आलेखों के मध्यम से विश्वविद्यालय को अतीत के दर्पण में देखा जा सकता है।

हमारे लिए सौभाग्य का विषय है कि पूर्व छात्र सम्मेलन के अवसर पर हमें भारत के राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविन्द जी तथा माननीया कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी का मूल्यवान मार्गदर्शन तथा उत्तर प्रदेश के कर्मठ और यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद प्राप्त होगा। यह किसी रोमांच से कम नही है।

और अंत में विश्वविद्यालय के इस अभूतपूर्व आयोजन की मार्गदर्शक प्रो0 नीलिमा गुप्ता कुलपति जी, डॉ. सिधान्शु राय संयोजक, पूर्व छात्र सम्मेलन, समस्त सहयोगी प्राध्यापक बन्धु, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी बन्धु तथा पूर्व छात्र संगठन के समस्त सदस्यों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। जिनकी प्रेरणा और सद्प्रयत्नों से यह आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हो रहा है। आभारी हूँ सम्पादक मण्डल तथा उन सभी रचनाकारों का जिनके विचारों या भाव-सुमनों से इस स्मारिका को सजाया गया है।

सादर

(डॉ. श्याम बाबू गुप्त)

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय एल्युमनाई एसोसिएशन
एक परिचय

डॉ. सिधान्शु राय
सचिव
सीएसजेएम विश्वविद्यालय
एल्युमनाई एसोसिएशन

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर जो पूर्व में कानपुर विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था की स्थापना वर्ष 1966 में हुई थी। शुरुआत में यह विश्वविद्यालय एक सम्बद्ध विश्वविद्यालय की तरह कार्य करता रहा। क्योंकि परिवर्तन प्रकृति का नियम है इसका अनुसरण इस विश्वविद्यालय ने भी किया और एक आवासीय विश्वविद्यालय का स्वरुप लिया। विश्वविद्यालय में छात्रावास, स्टेडियम, लाइब्रेरी, शॉपिंग, काम्पलेक्स, मल्टीपरपज हॉल, हेलीपेड, ऑडिटोरियम, नवनिर्मित तरण ताल इत्यादि स्थापित हुए। 50 वर्षो से प्रतिवर्ष विभिन्न संकायों में हजारों की संख्या में यहां से छात्र शिक्षा ग्रहण कर विभिन्न संस्थानों में उच्च पदों पर आसीन हुए। विश्वविद्यालय की प्रगति में शिक्षकों एवं छात्रों के साथ पुरातन छात्रों का योगदान भी अत्यंत आवश्यक होता है, इसी कमी को पूरा करने के लिए 25 प्रख्यात पुरातन छात्रों ने एक समूह बनाकर एल्युमनाई एसोसिएशन की स्थापना की और उसका पंजीकरण करवाया। आज छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय एल्युमनाई एसोसिएशन एक पंजीकृत संस्था है। इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य सभी पुरातन छात्रों को एक मंच पर लाना है जिससे कि वह विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्रों तथा शिक्षकों को भी अपने अनुभवों से लाभान्वित कर सकें। इन 25 संस्थापक सदस्यों में प्रमुख रुप से कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय जिनको पदेन अध्यक्ष का भार दिया गया है, वही विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के डॉ. सिधान्शु राय को सचिव के रुप में पदभार दिया गया। उपाध्यक्ष के रुप में शहर के प्रसिद्ध उद्यमी श्री मुख्तार उल अमीन, वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. ए.एस.प्रसाद, मर्चेन्ट चेंबर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आई एम रोहतगी की जिम्मेदारी प्रदान की गई। संस्थापक सदस्यों के अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों में श्री योगेंद्र स्वरुप वरिष्ठ अधिवक्ता, डॉ. अवध दुबे वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक, श्री सुरेंद्र मैथानी मा0 विधायक भाजपा, श्री राकेश सूरी प्रबंध निदेशक सूरी शूज, प्रोफेसर आर. सी. कटियार पूर्व उपकुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, श्री एस पी सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री संदीप गर्ग प्रबंध निदेशक ओरिएंट रिजॉर्ट, डॉ श्याम बाबू गुप्त निदेशक दीनदयाल शोध केन्द्र, श्री उमंग अग्रवाल अध्यक्ष फीटा संस्था, डॉ. उमेश पालीवाल प्रबन्ध निदेशक पालीवाल डायग्नोस्टिक, डॉ. अलका शर्मा पूर्व अध्यक्ष आई एम ए, डॉ. अल्का दीक्षित निदेशक उत्कर्ष अकादमी, श्री मनीष धवन सीनियर एक्सपोर्टर, श्री अर्जित गुप्ता सीनियर चार्टर्ड अकाउन्टेंट, डॉ. हरीभाऊ खांडेकर वरिष्ठ समाजसेवी, प्रोफेसर मधु कुमार शिक्षाविद एवं श्री जितेन्द्र सिंह भदौरिया वरिष्ठ अधिवक्ता के रुप में सम्मिलित है इस एल्युमनाई एसोसिएशन की स्थापना के पश्चात इनके द्वारा छात्र छात्राओं हेतु अनेक व्याख्यान एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन

किया गया।

इनके मुख्य उद्दश्यों के अंतर्गत जो पूर्व छात्र देश और विदेश में प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं उनके द्वारा वर्तमान छात्रों को रोजगार की संभावनाओं के साथ अपने विश्वविद्यालय का प्रचार एवं प्रसार देश-विदेश के विभिन्न कोनों तक कराना है सभी पूर्व छात्रों को इस परिवार से जोड़ने को प्रेरित करना चाहिए। पढ़ाई के महत्वपूर्ण अंग है और हमें सभी छात्रों को इस परिवार से जोड़ने को प्रेरित करना चाहिए। पढ़ाई पूरी करने के बाद हमें इस विश्वविद्यालय के विकास में योगदान देना चाहिए। संस्था के अन्य उद्देश्यों में जरूतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता, शोध में सहायता प्रदान करना, कौशल विकास के क्षेत्र में भी योगदान देना और समय-समय पर वर्कशॉप, प्लेसमेंट ड्राइव और सेमिनार आदि का आयोजन कर वर्तमान छात्रों को वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराते हुए विश्वविद्यालय को विश्व पटल पर स्थापित करना यह कुछ मुख्य उद्देश्य हैं। इसके अतिरिक्त देश और विदेश में रह रहे पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय के साथ ज्यादा से ज्यादा संख्या में जोड़कर विश्वविद्यालय का एक ऐसा संगठन बनाने का प्रयास जिससे विश्वविद्यालय अपने को मजबूती प्रदान कर सके। इसी क्रम में दिनांक 30 नवंबर 2019 को इस एल्युमनाई एसोसिएशन की एल्युमनाई मीट का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया जा रहा है जिसमें माननीय राष्ट्रपति महोदय श्री रामनाथ कोविंद जी को मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया जा रहा है जो स्वयं इस विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र है। यह इस विश्वविद्यालय के लिए गर्व एवं हर्ष का विषय है कि आज हमारे देश के राष्ट्रपति के पद को सुशोभित कर रहे हैं।

हमारा उद्देश्य यह है कि इस कार्यक्रम के द्वारा हम उन सभी पुरातन छात्रों को संगठित कर विश्वविद्यालय एवं समाज के विकास में उनका योगदान करवा सकें जो आज समाज की जरुरत है। हम इन्हीं उद्देश्य और भावनाओं के साथ मिलकर अपनी एल्युमनाई एसोसिएशन संस्था के द्वारा आगे कार्य करते रहेंगे। हम इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और भारत देश के नागरिक हैं।

धन्यवाद

(डॉ. सिधान्शु राय)